बहुजन विकास आघाडी

परंपरा लोकशाही की, सर्वांगीण विकास की

अपनी निशानी सीटी

आ. क्षितिज हितेंद्र ठाकूर	**आ. हितेंद्र विष्णू ठाकूर**	**आ. राजेश रघुनाथ पाटील**
१३२ - नालासोपारा	१३३ - वसई	१३१ - बोईसर

बहुजन विकास आघाडी के उम्मीदवार, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव - २०२४

परंपरा लोकशाही की-सर्वांगीण विकास की

प्रिय मतदाता भाईयों और बहनों

सप्रेम नमस्कार,

आपके प्रेम और विश्वास के दम पर मैं छह बार विधानसभा के लिए चुना गया हूँ। आपने बलिराम जाधव को भी लोकसभा में और क्षितिज ठाकुर, राजेश पाटील को विधानसभा में चुनकर भेजा है। इतना ही नहीं, आपने स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में भी **बहुजन विकास आघाड़ी** के मेरे सहयोगियों को चुनकर भेजा है। जनप्रतिनिधि के रूप में निर्वाचन क्षेत्र की सभी महत्वपूर्ण समस्याओं को सुलझाने के लिए अब तक **बहुजन विकास आघाड़ी**ने पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया है।

बुधवार, दिनांक २० नवंबर, २०२४ को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। आज के सामाजिक और राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह चुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण बन गया है। देश, राज्य के विकास की बजाय धर्म-पंथ-जात के आधार पर चुनाव लड़ा जाएगा, ऐसी तस्वीर प्राथमिक स्तर पर आज हमें दिखाई दे रही है। यह देश के लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है। धर्म बचेगा तो देश बचेगा, इस विचार की बजाय इंसान बचेगा तभी देश और धर्म बचेगा ऐसा विचार करके मतदाताओं को बेहद समझदारी से, सावधानीपूर्वक और अपने सद्सद्विवेक बुद्धि से सोच कर विचारपूर्वक मतदान करना चाहिए। 'बहुजन विकास आघाड़ी'ने हमेशा सामान्य नागरिकों के जीवन में किस प्रकार से सर्वांगीण समृद्धि और विकास लाया जा सकता है इस सोच से काम किया है। इसलिए हम **परंपरा लोकशाही की-सर्वांगीण विकास की** का नारा देते हुए यह चुनाव लड़ रहे हैं।

'बहुजन विकास आघाड़ी'ने वसई, नालासोपारा, बोईसर इन निर्वाचन क्षेत्रों में संभवतः पालघर जिले में बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए हैं। नागरी सुविधाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक, कला-खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन से संबंधित अनेक समस्याओं को दूर किया है और भविष्य में भी यह काम अविरत रूप से जारी रहेगा। इसलिए विरोधियों के पास विरोध करने के लिए अब कोई मुद्दा ही नहीं बचा है।

वैश्विक तापमान में अनियंत्रित वृद्धि के चलते बाधारहित रूप से चलने वाला प्रकृति का चक्र लगातार बिगड़ता जा रहा है। शहर, तापमान वृद्धि के केंद्र बन गए हैं और इस परिसर में कम दबाव का क्षेत्र तैयार होकर अतिवृष्टि जैसी समस्या का करण बनते जा रहे हैं। हर साल होने वाली अतिवृष्टि और बाढ़ जैसी स्थिति का निर्माण होना तापमान वृद्धि का ही परिणाम है और इस बात पर वैश्विक स्तर पर भी मुहर लग गई है।

सरकारी नीतियों और एमएमआरडीए, सिडको द्वारा शहर नियोजन दुर्दशा की चिंताजनक स्थिति में पहुँच गया है। राज्य की नगरपालिकाएं, महानगरपालिकाएं, पंचायत समितियाँ, जिला परिषद इन स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में प्रशासनिक सत्ता होने के कारण सर्वांगीण विकास बुरी तरह प्रभावित होने की तस्वीर दिखाई दे रही है।

संपूर्ण मुंबई महानगर प्रदेश पर इसका बुरा असर हुआ है। इसलिए संपूर्ण महानगर में प्रतिवर्ष बहाड जैसी परिस्थिती निर्माण होने लगी है। फिर भी विरोधक इस वास्तविकता को नकारते हुए नैसर्गिक आपत्ती व मानवी क्षमता के बाहर के विषय पर चर्चा करके लोगों को गुमराह कर रहे है। इसलिए विरोधकों के इस कुटील निती को समझ कर मतदान करने की जिम्मेदारी अब मतदाताओं को निभानी पडेगी।

कोरोना का फैलाव रोकने के लिए उपाय के रूप में महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने राज्य की कई स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव को आगे के लिए टाल दिया था। इसके साथ-साथ ओबीसी आरक्षण, सदस्यसंख्या में वृद्धि और प्रभाग संरचना जैसे विषय सर्वोच्च न्यायालय में प्रलंबित हैं और इन कारणों से स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव अनिश्चित काल के लिए आगे टाल दिए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों से महानगरपालिकाएं प्रशासनिक सत्ता के अधीन हैं और इनमें कोई भी लोगों द्वारा चुने गए नगरसेवक नहीं हैं।

राज्य की नगरपालिका, महानगरपालिका, पंचायत समिती, जिल्हा परिषद इस स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं पर प्रशासनिक राज की वजह से राज्य की विकास पर बुरी तरह से असर हुआ है। ऐसी स्थिती पहले कभी भी निर्माण नही हुई थी। प्रशासनिक राज की वजह से बड़े पैमाने पर तानाशाही और मनमाने रवैये में बढ़ोतरी हुई है और सामान्य नागरिकों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मैं आप से फिर एक बार विनम्रता से निवेदन करता हू की इन सभी समस्या का प्रभावशाली समाधान करने हेतू और सरकारद्वारा मंजूर किये हुए सभी काम बिना देरी किए पुरे करवाने के लिये आप सभी **बुधवार, तारीख २० नवंबर २०२४** को होनेवाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बहुजन विकास आघाडी के तीनो उम्मीदवारों को **सीटी** निशानी वाले बटन को दबाकर भारी बहुमतों से विजयी करे।

आपका,

हितेंद्र विष्णू ठाकुर

अध्यक्ष - बहुजन विकास आघाडी

अपनी निशानी

सीटी

हितेंद्र विष्णू ठाकुर
१३३ - वसई निर्वाचन क्षेत्र

क्षितिज हितेंद्र ठाकुर
१३२ - नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र

राजेश रघुनाथ पाटील
१३१ - बोईसर (अ.ज.) निर्वाचन क्षेत्र

जल योजना

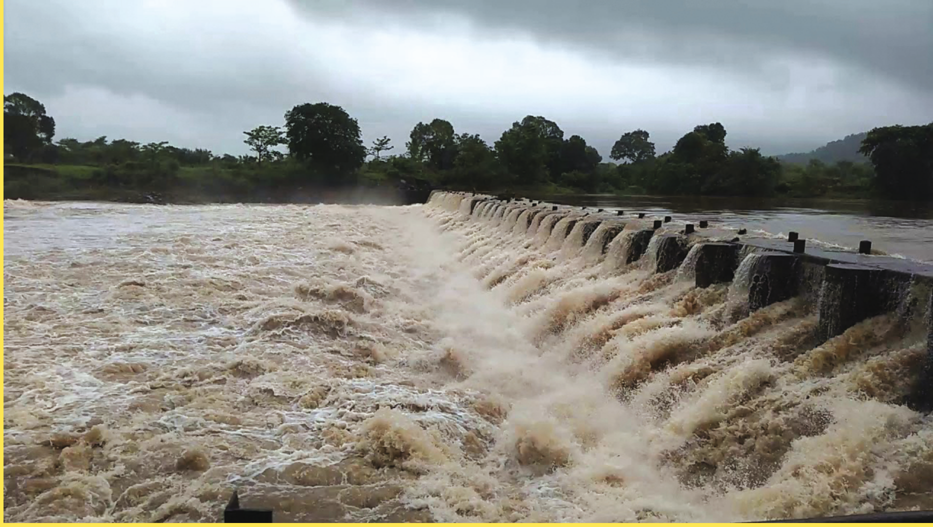

१९९० में - ६० लाख लीटर पानी की आपूर्ति।
आजतक - प्रति दिन ४३० मिलियन लीटर (४३ करोड़ लीटर) जल वितरण, देहरजे - निकट अवधि के लिए २६० मिलियन लीटर (२६ करोड़ लीटर), खोलसापाड़ा १ और २ - ७५ एमएलडी - (७.५ करोड़ लीटर), सुसरी १८० मिलियन लीटर (१८ करोड़ लीटर) कुल ५१५ मिलियन लीटर (५१. करोड़ लीटर) पानी प्रतिदिन उपलब्ध होगा।

- ❋ अमृत २ के तहत महानगर पालिका क्षेत्र में १० नए उच्च जल निकायों के माध्यम से ७२५ किमी वितरण प्रणाली। लगभग ५०० करोड़ रुपये का काम शुरू हो चुका है।
- ❋ वोल्वामेन की वजह से होने वाली परेशानी से निजात पाने के लिए ऑटोमैटिक अपडेट लागू किया जाएगा।

रेल्वे / मेट्रो

- ❋ एसी ट्रेन का विस्तार डहाणू तक बढ़ाई जायेगी।
- ❋ दो स्टेशनों के बीच का अंतर कम करने के लिए लगातार प्रयास करना।
- ❋ लगातार किए गए फॉलो-अप्स की वजह से भाईंदर खाड़ीपुल से विरार तक मेट्रो चलाने के लिए अनुमति प्राप्त। इसे पालघर तक ले जाने के लिए प्रयास शुरू।
- ❋ विरार-वसई को मुंबई से जोड़ने के लिए मेट्रो-१३ प्रकल्प का काम शुरू।

खाड़ी का पुल और रेल्वे ओव्हरब्रीज :

- ❋ मेट्रो के साथ भायंदर-नायगांव नए खाड़ी ब्रिज को मंजूरी।
- ❋ वैतरणा नदी पर बहडोली खाड़ी पुल के लिए प्रस्ताव की घोषणा की गई।
- ❋ वसई से सफाले तक नरिंगी खाड़ी पर पुल निर्माण का प्रस्ताव जारी।

नगर निगम क्षेत्र में ४ नए रेलवे ओवरब्रिज :

- ❋ विरार-विराटनगर
- ❋ नालासोपारा-ओसवालनगरी
- ❋ नालासोपारा-अलकापुरी
- ❋ वसई-उमेलमान
- ❋ रेलवे प्रशासन द्वारा सर्वे पूरा कर लिया गया है।

फ्लाईओवर और सड़कें

१८२५ करोड़ रूपए लागत के कामों को मंज़ूरी।

७ नए फ्लाईओवर बनेंगे।

- रेंज ऑफिस, गोखिवरे वसई (पू.)
- चंदननाका जंक्शन से नालासोपारा (पू.)
- बोलिंज ओलांदा नाका से साइंस गार्डन, विरार (पश्चिम)
- मनवेलपाड़ा नाका से फूलपाड़ा जंक्शन विरार (पू.)
- माणिकपुर से बाभोलनाका, वसई (प.)
- वसंत नगरी से एवरशाईन, गोखिवरे, वसई रोड (पू.)
- नारिंगी (साईनाथ नगर)

रास्ते के चौड़ीकरण और कॉंक्रिटीकरण

- अहमदाबाद राजमार्ग से वसई, निर्मल, अर्नाला और औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़नेवाले कुल ७ रास्तों का चौड़ीकरण और कॉंक्रिटीकरण।
- चिंचोटी-कामण-भिवंडी रास्ते के चौड़ीकरण और कॉंक्रिटीकरण कार्यों को मंज़ूरी।
- शिरसाड़-अंबाड़ी-वाशिंद रास्ते के चौड़ीकरण और कॉंक्रिटीकरण का प्रस्ताव।
- मनोर-वाड़ा-आसनगांव महामार्ग को समृद्धि महामार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव।
- आदिवासी इलाको में डामर की सड़कों का कंक्रीटीकरण।
- विरार-अलिबाग कॉरिडोर मेट्रो रेल्वे के साथ होगा।

रिंगरूट रास्ता :

२६०० करोड़ रू. की लागत से वसई तालुका के ४ प्रमुख शहरों और आसपास के गांवों को जोड़ने वाला महानगरपालिका सीमा के अंतर्गत मेट्रो का ३६ किलोमीटर लंबे रिंग रूट का काम शुरू हो गया है।

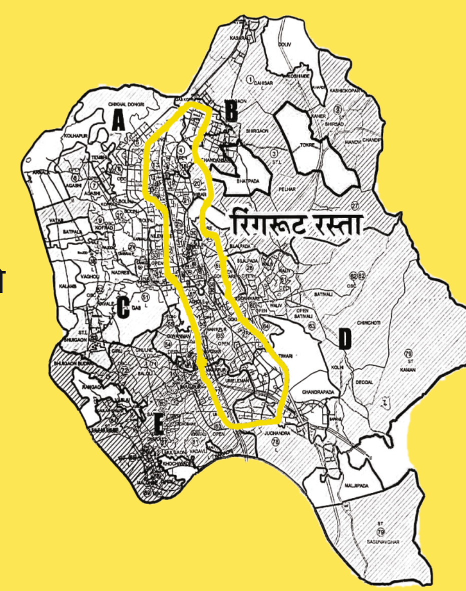

समुद्री राजमार्ग :

मुंबई वर्सोवा से पालघर इस ३० हजार करोड़ रूपए के समुद्री राजमार्ग की मांग को मंज़ूरी।

कृषि महाविद्यालय और कृषि विकास

- ★ स्थानीय युवाओं को आधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी देने के दृष्टिसे पालघर में कृषि, मत्स्य और कृषि अभियांत्रिकी शाखा सहित कृषि महाविद्यालय बनाना।
- ★ पालघर, जव्हार, विरार, वसई, नालासोपारा जैसे शहरों में किसान बाज़ार का निर्माण करना।
- ★ पालघर, जव्हार, मोखाड़ा, विक्रमगड़ में कृषि संशोधन केंद्र शुरू करना। फलों के फसलों की जाँच के लिए स्वतंत्र संशोधन केंद्रों की स्थापना।
- ★ पालघर ज़िले की अधिक से अधिक ज़मीन को सिंचाई के अधीन लाने के लिए विशेष प्रयास।

मलनि:सारण केंद्र / भूमिगत गटर योजना

* वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में ७ मलनि:सारण केंद्र।
* भूमिगत सीवर योजनाओं में से १ पूर्ण परियोजना प्रगति पर है।

जलपरिवहन रो-रो सेवा

* वसई-भाईंदर फेरीबोट सेवा की संख्या में वृद्धि करना।
* विरार-नारिंगी से खरवदेश्वरी (टेम्बी-खोदावे-सफाले) नौका सेवा २ महीने में शुरू होगी।
* जल्द ही इसे ठाणे-कल्याण तक बढ़ाया जाएगा।

तालाब विकास

शहर की सभी झीलों का सौंदर्यीकरण के साथ विकास।

खेल / सांस्कृतिक

* विरार में अत्याधुनिक स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स का काम प्रगति पथ पर है ।
* प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं -विरार में खेल संबंधी बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्जे के खिलाड़ी तैयार करने के लिए उन्हें अत्याधुनिक प्रशिक्षण देने के लिए सुविधाएं देना, आर्थिक सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करना, रियायतें, खिलाड़ियों का सम्मान कर मनोबल ऊंचा करना, खेल संबंधी वातावरण निर्माण करने के लिए खेल महोत्सवों का आयोजन, तांत्रिक मानवसंसाधन विकास, खेल विश्वविद्यालय की स्थापना, खेल संबंधी संस्थाओं को बढ़ावा देना, साहसिक खेलों के प्रकार को बढ़ावा देना, खेल नीति कार्यान्वयन के लिए उच्चस्तरीय समिति की स्थापना करना।

* ३५सालों से वसई तालुका में कला-क्रीडा महोत्सव का आयोजन।
* डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर सांस्कृतिक भवन २२० करोड़।

बिजली

- ✻ २०१९ में ५४० मेगावाट बिजली आपूर्ति।
- ✻ २०२४ के अंत तक ६९० मेगावाट बिजली उपलब्ध।
- ✻ २२० कि. वी चिखलडोंगरी-विरार, कोपरी-विरार (पूर्व), सुरक्षा शहर, गोखिवरे के उच्च दबाव केंद्र
- ✻ कामां में १०० के.वी. अल्ट्रा हाई प्रेशर स्टेशन की २०० के.व्ही क्षमता वृद्धि को मंजूरी. कार्य प्रगति पर है और ६०० मेगावाट विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी.
- ✻ महावितरण की वितरण प्रणाली को अधिक कुशल करने के लिए १८०० करोड़ रुपये मंजूर।
- ✻ भूमिगत विद्युत लाइनों के लिए १८५ करोड़ स्वीकृत।

पर्यटन

- ✻ पालघर जिले को पर्टयन जिले का दर्जा प्राप्त हो, इसके लिए सरकार के साथ फॉलो-अप जारी है।
- ✻ कृषि पर्यटन, जंगल पर्यटन, समुद्री पर्यटन, साहसिक पर्यटन, पैरासेलिंग, पैराग्लाइडिंग, बोटिंग, वॉटर स्पोटर्स इस प्रकार की अनेक सुविधाएं निर्माण करेंगे।
- ✻ इसके माध्यम से रोज़गार सुविधाओं का निर्माण हो सकेगा।

स्वास्थ्य

- ✻ ९ अस्पताल - ७३५ बिस्तर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र - २१, आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र - २६, एपीए क्लिनिक - १५, स्वास्थ्य पर वार्षिक अनुमानित व्यय - १२० करोड़।
- ✻ ४०४ करोड़ की अनुमानित लागत - अचोले में ४०० बिस्तरों वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के काम को मंजूरी।
- ✻ कौल सिटी के अस्पताल में नवीनतम उपकरणों के साथ कान, नाक, गला (ईएनटी) और आंख की मुफ्त सर्जरी। ✻ शहर के हर अस्पताल में मुफ़्त डायलिसिस केंद्र और प्रति डायलिसिस मरीज़ को सब्सिडी।
- ✻ कौल सिटी में एक आरक्षित भूखंड पर ३०० बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल प्रस्तावित है।
- ✻ वसई के कौल अस्पताल में १२ बेड का डायलिसिस सेंटर जहाँ ३५ रुग्ण इसकी सुविधा लेते है। आजतक ७ हजार रुग्णोंने इसकी सुविधा प्राप्त की।

महिला एवं बाल कल्याण

वसई-विरार महानगर पालिका क्षेत्र में समाज में विभिन्न घटकों के लिए सर्वाधिक कल्याणकारी योजनाएँ कार्यान्वित करने वाली महानगरपालिका है। नेत्रहीन, दिव्यांग एवं शारीरिक रोगग्रस्त, अनाथ, निराश्रित, विधवा, बेसहारा, परित्यक्ता, तलाकशुदा महिला, वरिष्ठ/नागरिक, छात्र, छात्रा, पिछडे, गरीबी की रेखा के नीचे, आर्थिक रूप से दुर्बल इस प्रकार के समाज के विभिन्न घटकों के लिए लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का अनुसरण आज सरकार और अन्य महानगरपालिकाओं द्वारा किया जा रहा है।

मछीमार

समुद्र किनारों पर स्थित कोलीवाडे, मछुआरों की बस्ती से व्याप्त सरकारी ज़मीन का स्वामित्व मछुआरों के नाम करने के लिए प्रयास करना। थोक बाज़ार में कोल्डस्टोरेज और प्रक्रिया केंद्रों की सुविधा देना। समुद्री किनारों पर स्थित सभी धूप प्रतिबंधक बंधारों का रखरखाव करना।

आदिवासी विकास

इसके साथ ही तलासरी में आदिवासी उपयोजना वाली जगहों में फ्लोरिकल्चर, एग्रिकल्चर विषयों पर संशोधन केंद्र शुरू करेंगे। आदिवासी विभागों में मेडिकल कॉलेज, सुसज्जित अस्पताल, इंजीनियरिंग कॉलेज, एग्रिकल्चर कॉलेज का निर्माण करना। आदिवासी संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करेंगे।

रोज़गार निर्माण

✻ महिला लघु उद्योग और गृहउद्योगों, ग्रामोद्योग और कुटीर उद्योगों के लिए प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता ✻ आईटी पार्क, बिज़नेस हब निर्माण करना ✻ कृषिमाल प्रक्रिया केंद्रों को निर्माण करना ✻ पालघर जिले के आदिवासियों के लिए खेती, वनसब्जियों की खेती, वन-औषधियों की खेती, वारली चित्रकला, हस्तकला, लकड़ी शिल्पकला को प्रोत्साहन देना ✻ डायमेकिंग जैसे पारंपरिक लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना। ✻ विवा कॉलेज के नये भवन में लगभग ४५०० युवाओं को आईटी सेक्टर से जुड़े रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं और उन्हें २० हजार से २० लाख प्रति माह वेतन मिल रहा है। भविष्य में और भी मौके मिलेंगे

पारिवारीक योगदान

बनाम या कॉलेज से मेडिकल और पैरामेडिकल को छोड़कर विभिन्न पाठ्यक्रमों में लगभग ३५००० छात्र अध्ययनरत हैं।
जल्द ही मेडिकल और पैरामेडिकल कोर्स शुरू किये जायेंगे। यह दुनिया का सबसे बड़ा जूनियर कॉलेज है। वसई में ९ अन्य स्थानों पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल शुरू कि जाएंगे। ओल्ड विवा कॉलेज में थिएटर एवं ऑडिटोरियम विभिन्न सामाजिक संगठनों के लिए नि:शुल्क चल रहा है।

संस्था सहयोग

संजीवनी अस्पताल के सहयोग से और जीवदानी देवी मंदिर ट्रस्ट, ऊँ साईधाम मंदिर ट्रस्ट, यंगस्टार्स ट्रस्ट, वि. वा. ठाकुर चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वर्गीय तारामती हरिश्चंद्र ठाकुर ट्रस्ट, स्वयंभू महादेव मंदिर ट्रस्ट, वाय.के. पाटील चैरिटेबल ट्रस्ट, तुलिंज एजुकेशन ट्रस्ट जैसी विभिन्न संस्थाओं की सहायता से तालुका में कई डाएलिसिस केंद्र शुरू किए गए हैं और बेहद किफायती दरों पर यह स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

कोरोना महामारी के दौरान सेवा कार्य

मेरे तालुक में कोई भूखा नहीं सोता.

- जरूरतमंदों के लिए दिन में दो बार भोजन उपलब्ध कराया गया। यह गतिविधि इस संकट के आने तक जारी थी. पूरे कोरोना काल में आधे करोड़ लोगों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था की गई।
- नि:शुल्क क्वारेंटाइन सेंटर - विवा कॉलेज संकुल।
- नि:शुल्क आवश्यक वस्तुओं का वितरण। ✻ रेमडीसीवर जैसे इंजेक्शन दिए गए ।
- रक्तदान शिविर एवं कोरोना के टीके मध्यम/नि:शुल्क दिये गये।

फॉलोअप

- सार्वजनिक कार्यों के लिए वसई तालुका में १५०० एकड़ सरकारी भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव।

परंपरा लोकशाही की
सर्वांगीन विकास की

बहुजन विकास आघाडी

अपनी निशानी सीटी

प्रकाशक : अजीव पाटील, गावठाण, विरार (प.), प्रिंटर : पॉप्युलर ऑफसेट प्रिंटर, लोअर परेल, मुंबई - ४०० ०१३ - तारीख : १०-११-२०२४ कृपया इस पत्रक को दिवार पर ना चिपकायें. प्रती - ५,०००

चुनाव : बुधवार दि. २० नवंबर २०२४
समय : सुबह ७.०० से शाम. ६.००